भाग
1

भारतीय भाषा साहित्य

(विविध संदर्भ)

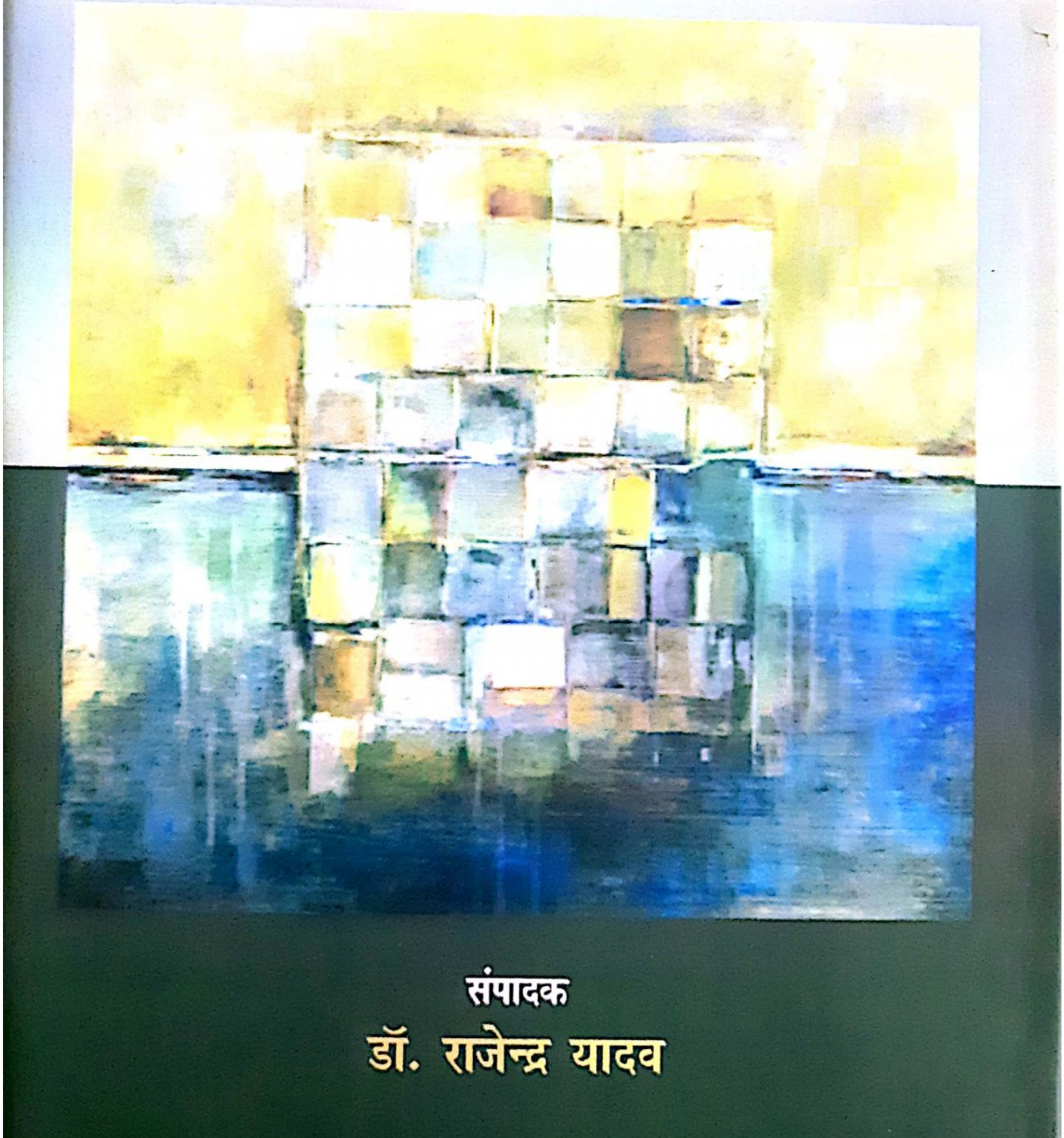

संपादक
डॉ. राजेन्द्र यादव

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

भारतीय : भाषा साहित्य

(विविध संदर्भ)

भाग-1

संपादक

डॉ. राजेन्द्र यादव

विजया बुक्स

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

ISBN : 978-93-81480-98-4

प्रकाशक : विजया बुक्स
1/10753 सुभाष पार्क, गली नं. 3
नवीन शाहदरा, दिल्ली-110032
फोन : 011-22822514; 9910189445
Email : vijyabooks@gmail.com
rajeev02sharma@gmail.com

© : लेखक

प्रथम संस्करण : 2016

मूल्य : 650/-

मुद्रक : विकास कम्प्यूटर एण्ड प्रिंटर्स,
नवीन शाहदरा, दिल्ली-110 032

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

विषय सूची

संपादकीय 5

1. स्त्री संदर्भ और भक्ति कालीन हिन्दी कविता 11
   प्रो. चन्दा बैन
2. भारतीय साहित्य की भूमिका 24
   डॉ. राजेन्द्र यादव
3. कफन कहानी को अंग्रेजी हिंदी पाठ :
   एक तुलनात्मक अध्ययन 32
   डॉ. विवेकानंद उपाध्याय
4. उत्तर राम प्रसंग : एक तुलनात्मक अध्ययन 40
   डॉ. आशुतोष कुमार मिश्र
5. पराजित होते सम्बन्ध और हिन्दी उपन्यास 54
   डॉ. हिमांशु कुमार
6. समकालीन आदिवासी कविता 59
   डॉ. मनीष कुमार
7. दलित साहित्य में अस्मिता की अवधारणा 71
   डॉ. अरविन्द कुमार
8. शिक्षा में मूल्यांकन की अवधारणा 82
   डॉ. अरविन्द कुमार गौतम
9. छायावाद और जयशंकर प्रसाद का काव्य 95
   इन्द्रसिंह वरकड़े
10. हमारे समय में कबीर की प्रासंगिकता 102
    राजकुमार अहिरवार

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

11. संस्कृत-साहित्य में प्रजातान्त्रिक मूल्य — 110
डॉ. दिव्या देशपाण्डे

12. मीरा काव्य और नारी सशक्तिकरण — 118
लक्षेश्वरी बी.आर. कुर्रे

13. सर्वहारा के प्रति हिन्दी कविता का दायित्व — 124
अमर आनंद आलदे

14. प्रियंवद के कथा साहित्य में सामाजिक जीवन का चित्रण — 129
रामेश्वर धुर्वे

15. 'साये में धूप' और 'एल्गार' में
व्यक्त प्रवृत्तियों की समतुल्यता — 142
प्रो. सूर्यकांत रामचंद्र चव्हाण

16. 'लोक साहित्य और परंपरा' — 148
चरणदास वर्मन

17. निमाड़ी भाषा और अर्न्तलोक कथाएँ — 157
डॉ. संतरा चौहान

18. स्त्री-अस्मिता और आधुनिक हिन्दी कविता — 164
डॉ. किशोर सिंह सोलंकी

19. लोक साहित्य में लोकगीतों की भूमिका — 171
डॉ. सुनीता कुजूर

20. भावगीत सादरीकरणाची कौशल्ये — 180
महेश शामराव दाडगे

21. दलित साहित्य : अस्मिता का संघर्ष — 185
डॉ. विक्रम सिंह चौहान

22. इक्कीसवीं सदी की हिंदी कविताओं में
वैश्वीकरण की चुनौतियाँ
प्रो. कांबले बालिका रामराव — 194

23. प्रेमचंद की कहानियों में धन-धान्य एवं
कृषक जीवन का चित्रण
डॉ. राजेश्वरी मरकाम — 199

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

भारतीय साहित्य की भूमिका

डॉ. राजेन्द्र यादव

भारतीय साहित्य का प्रारंभ

भारतीय साहित्य का प्रारंभ प्रमाणिक रूप से ईसा से 1500 वर्ष पूर्व से माना जाता है। भारतीय साहित्य का प्रारंभ वेदों की रचना से माना गया है। प्रसिद्ध क्रांतिकारी और पत्रकार बाल गंगाधर तिलक ने वेदों की रचना ईसा से तीन हजार वर्ष पूर्व की प्रमाणित की थी। सदियों तक वेदों ने पीढ़ी-दर-पीढ़ी मौखिक रूप से यात्रा की, तत्पश्चात् ईसा से 1500 वर्ष पहले वेदों को लिपिबद्ध करने का कार्य प्रारंभ हुआ। वेदों में चार वेदों की रचना की गई। जिसमें क्रमशः ऋग्वेद, सामवेद, यजुर्वेद और अथर्ववेद। इस वैदिक साहित्य में ऋग्वेद में भारतीय साहित्य के प्रस्थान बिन्दु प्राप्त होते हैं। वास्तविक रूप से भारतीय साहित्य का प्रारंभ ऋग्वेद से माना जाता है। ऋग्वेद में जो इक्षवाकु वंश की कथा आयी है उसी कथा से राम-कथा का प्रारंभ माना जाता है। यह वही इक्षवाकु वंश है जिसमें राजा दिलीप, अज, हरिश्चन्द्र, रघु और दशरथ हुए तथा इसी वंश का नाम राम के बाद साहित्य में रघुकुल के नाम से जाना गया। भारद्वाज, वशिष्ट आदि मुनियों के सूत्र भी ऋग्वेद की कथाओं में आते हैं। ऋग्वेद में स्त्री सूक्त, पुरुष सूक्त भी रचे गए। अतः वैदिक साहित्य में ऋग्वेद में वर्णित विभिन्न सूक्तों और कथाओं के द्वारा समकालीन समाज की स्थिति सोच समझ और घटनाओं का वर्णन किया गया। ऋग्वेद से अग्नि, वरूण, पवन आदि देवताओं का विकास हुआ। वैदिक साहित्य में साहित्यक दृष्टिकोण चारों

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner